

2564. HARIV. 15397. BHARTṚ. 3, 84. VP. 19. BHĪG. P. 3, 5, 3. 8, 16, 20. Gtr. 7, 12. BURN. Intr. 131. — 2) N. pr. verschiedener Männer HARIV. 15405. 15430. Verz. d. B. H. No. 873.880. °व्यास 692. पुक्ल° 886.

जनाव् (जन + श्व्) adj. (nom. जनैस्) die Menschen schützend Vop. 26, 77. — Mit demselben Rechte liesse sich जनौ als Thema aufstellen.

जनाशन (जन + शन) m. Wolf (Menschenfresser) RĪĀN. im ÇKDr. जनाश्रय (जन + श्रय) m. Karavanserai AK. 2, 2, 8. H. 1003. RĪ-ĠA-TAR. 3, 480.

जनार्थक् (जन + सक्) adj. (nom. °षाड्) Menschen bewältigend, von Indra RV. 1, 54, 11.

जनै (Uṇ. 4, 131) und जनै (von जन्) f. 1) (जनये, जन्युस्, जनयस्, जनीम्) Weib: जारः कनीनां पतिर्जनीनाम् RV. 1, 66, 8(4). जनयो न पत्नीः 62, 10. 85, 1. 186, 7. 4, 5, 5. 19, 5. 5, 61, 3. 7, 18, 2. 26, 3. प्रति व्या सूनरी जनी व्युच्छ्रुती (श्रुति) 4, 52, 1. त्रष्टा देवेभिर्जनिभिः सत्रोषाः 6, 30, 13. 2, 26, 3. जन्युः पतिस्तन्वर्षमा विविष्याः 10, 10, 3. 40, 10. 9, 86, 32. VS. 11, 61, 12, 35. 20, 40, 43. Wie andere Wörter für Weib, Schwester u. s. w. von den Fingern gebraucht: अश्वो न क्रन्दं जनिभिः समिध्यते RV. 3, 26, 3. जनि Weib; Mutter ÇABDAR. im ÇKDr. जनी Weib H. 513. an. 2, 260. MED. n. 6. Schwiegertochter (vgl. जामि) AK. 2, 6, 1, 9. H. 314. H. an. MED. HĀR. 146. — 2) Geburt, Entstehung, जनि AK. 1, 1, 4, 8. H. 1367. जनी MED. सता-मात्रेण देवेन तथैवायं (sic) जगज्जनिः (v. l. °जनः) Sch. zu Kap. 1, 97. Ge-
burtsstätte: बालभावाय वसुधा पते प्रते जनिस्तव HARIV. 11979. जनिपद्-
ति (?) Verz. d. B. H. No. 877; vgl. जनुःप° 876. — 3) eine best. wohl-
riechende Pflanze, जनी AK. 2, 4, 5, 19. MED. जनि BHAR. zu AK. ÇKDr.
— Vgl. जनि.

जनैकाम (जनि + काम) adj. ein Weib wünschend AV. 2, 30, 5.

जनितैर् (von जन्) 1) m. Erzeuger, Vater P. 6, 4, 53. H. ç. 116. MED. j. 25. ÇABDAR. im ÇKDr. अथा हि त्वा जनिता जीजनत् RV. 1, 129, 11. पि-
ता जनिता 164, 33. 3, 1, 10. 34, 9. 4, 1, 10. 17, 12. 9, 86, 10. 87, 2. ब्रह्मणाम्
2, 23, 2. मत्तानाम् 6, 69, 2. सूर्यस्य 3, 49, 4. 8, 36, 4. 5. 9, 96, 5. वसूनाम् 1, 76,
4. VS. 19, 87. AV. 4, 1, 7. यज्ञस्य 13, 1, 13. प्रजानाम् KHĀND. UP. 4, 3, 7.
ÇVETĀÇV. UP. 6, 9. PAÑĀT. I, 9. — 2) f. जनित्री Gebälerin, Mutter ÇAB-
DAR. im ÇKDr. गवाम् RV. 1, 124, 5. तं तै माता पारि घोषा जनित्री मरुः
पितृर्दम् आसिच्छद्रे 3, 48, 2. AV. 6, 110, 13. 9, 3, 30. युवतयो जनित्रीः RV.
3, 34, 14. स्यातुर्जगतः 6, 30, 7. जनित्रीर्भुवनस्य पत्नोरपः 10, 30, 10. 33, 7.
जनित्रीव प्रति कृपासि सूनम् AV. 12, 3, 23. प्रजानाम् TS. 4, 3, 11, 5. GOBH.
2, 8, 4. छावापृथिवी जनित्री RV. 10, 110, 9. 1, 185, 6. 7, 97, 8. — MBh. 3,
10498. N. 16, 30. VARĀH. BRH. S. 73, 11. — Vgl. जनयित्.

जनितव्यं (wie eben) adj. was geboren werden —, entstehen soll: ज्ञातं
जनितव्यं च AV. 4, 23, 7.

जनित्र (wie eben) n. 1) Geburtsstätte; Heimath; Herkunft: यत्रा त
आहुः परमं जनित्रम् RV. 1, 163, 4. देवानां परमे जनित्रे 10, 56, 1. AV. 1,
25, 1. विडुः पृथिव्या दिवो जनित्रम् RV. 7, 34, 2. 56, 2. AV. 6, 46, 2. VS.
3, 2. 13, 50. 23, 49. भूमिर्मातादेतिर्ना जनित्रम् AV. 6, 120, 2. 11, 1, 11. 13,
3, 21. TBr. 2, 5, 1, 2. त्रैलोक्यनिर्माणकरं जनित्रं देवासुराणां नागरत्तसाम्
MBh. 5, 2580. सर्वस्य धातारमर्जं जनित्रम् HARIV. 14730. pl. Eltern oder
Blutsverwandte überh.: जनित्रैरेवैनं तत्समनुमतमालाङ्गि AIT. Bā. 2, 6. —
2) Zeugungsstoff: परसा शुक्रमृतं जनित्रं सुरया मूर्त्राञ्जनयत् रेतः VS.

19, 84. 21, 55. — 3) N. eines Sāman ÇĀṆKA. Çā. 12, 9, 17. LĪṬ. 7, 2, 1.
11. 10, 5, 5. वसिष्ठस्य जनित्रे du. desgl. 9, 12, 8; vgl. Ind. St. 3, 216. ज-
नित्राय n., जनित्रोत्तर n. ebend.

1. जनित्व (wie eben) Uṇ. 4, 107. 1) adj. so v. a. जनितव्यः श्रुतर्जतिषूत
ये जनित्वाः RV. 4, 18, 4. 1, 66, 8(4). 10, 43, 10. AV. 2, 28, 3. — 2) m. du.
die Eltern Uṇ., Sch. जनित्व m. Vater, °त्वा f. Mutter ÇKDr. und WILS.
nach ders. Aut.

2. जनित्वं (von जनि) n. Ehestand (als Verhältniss des Weibes zum
Gatten): पत्युर्जनित्वमभि सं कथ्य RV. 10, 18, 8.

जनित्वर्नं n. dass.: उत सु त्ये पयोवृधा माकी रणस्य नृत्या । जनित्वनायं
मामहे RV. 8, 2, 42.

जनित्वा (जनि + टा) adj. ein Weib verleihend RV. 4, 17, 16.

जनित्वा in der Stelle: प्रेरय सूर्यं अथ न पारं ये अस्म्य कामं जनिधा इव
गमन् RV. 10, 29, 5. Das Wort zerlegt sich in जनि + धा, aber die Bed.
ist nicht so leicht zu errathen.

जनित्विका (जनि + नी°) f. N. einer Pflanze (महानीली) RĪĀN. im
ÇKDr.

जनित्वम् (von जन्) n. Uṇ. 4, 150. 1) Geburt, Entstehung, Ursprung:
त्रिस्य ता परमा सति जनित्वान्यग्नेः RV. 4, 1, 7. 17, 2. 22, 4. 2, 35, 6. दे-
वासा अग्निं जनित्वान्युष्यन् 3, 1, 4. — 2) Nachkommenschaft, progenies:
(मरुतः) रुद्र पते जनित्वम् RV. 5, 3, 3. — 3) Geschöpf, Wesen: विश्वेदेते ज-
निमा सं विविक्तः RV. 3, 54, 8. 38, 8. विश्वा वेदु जनित्वा ज्ञातवेदाः 6, 15, 3.
सं यो वृथेव जनित्वानि चष्टे 7, 60, 3. AV. 5, 11, 5. — 4) Geschlecht, Art, gens
und genus: कुवे देवानां जनित्वानि RV. 7, 42, 2. 2, 10. 3, 4, 10. 4, 27, 1. 9,
83, 4. 108, 3. देवा जनित्वा 4, 2, 17. पुरु विश्वा जनित्वं मानुषाणाम् 7, 62, 1.
6, 18, 7. सर्वं तद्वन्म जनित्वं क्रिमीणाम् Gezüchte AV. 2, 31, 5. अहीनाम्
6, 12, 1. 1, 8, 4. — Vgl. जन्मन्, मुजनिमन्.

जनित्वत् (von जनि) adj. beweibt, mit Weibern in Zusammenhang ste-
hend: सोमो जनित्वत्स मामग्या जनित्वत् करोतु ÇĀṆKA. GAṆ. 1, 9.

जनित्व s. u. जनीय.

जनित्वत् (von जनि) adj. = जनित्वत् अमेनाश्चिज्जनित्वत् अर्थः RV. 5, 31,
2, 44, 7.

जनित्वं adj. der Form nach superl. zu जनित्वः यो भूयिष्ठं नासत्यायां
विषे जनिष्ठं पित्वा ररते विभागे RV. 5, 77, 4. Es scheint hier aber ein
Schreibfehler für चनिष्ठं (s. u. चनिष्ठ) vorzuliegen. Ein ähnlicher Feh-
ler findet sich in जनित्वत् SV. I, 1, 1, 3, 9.

जनित्व्य (von जन्) adj. der noch geboren, — entstehen soll: (पुमान्) ज्ञा-
तो वापि जनित्व्यो वा R. 3, 66, 14. नायं लोकौ ऽस्ति न परो न च पूर्वान्स
तारयेत् । कुत एव जनित्व्योस्तु MBh. 12, 7261.

जनी s. u. जनि.

जनीय s. विश्वजनीय.

जनीय (von जनि), जनीयति (जनीयति AV. 14, 2, 72; vgl. RV. 7, 96, 4)
ein Weib wünschen; partic. RV. 4, 17, 16. जनीयतो न्वयवः पुत्रीयतः सु-
दानवः । सरस्वतं क्वामहे 7, 96, 4 (vgl. Siddh. K. zu P. 7, 4, 35). AV. 6,
82, 3.

जनीय s. u. जनीय.

जनु und जनु (von जन्) ff. = जनुम् Geburt Uṇ. 4, 150. im ÇKDr. — Vgl.
सजनु.

